ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

1969 TO 2029 ECHO OF HIS CALL SINCE 1969

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXXI YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2026 SEPTEMBER No. 10

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो

भजन 103:1-10

1 हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह; और जो कुछ मुझ में है, वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे!
2 हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और उसके किसी उपकार को न भूलना।
3 वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है,
4 वही तो तेरे प्राण को नष्ट होने से बचा लेता है, और तेरे सिर पर करुणा और दया का मुकुट बाँधता है,
5 वही तो तेरी लालसा को उत्तम पदार्थों से तृप्त करता है, जिस से तेरी जवानी उकाब के समान नई हो जाती है।
6 यहोवा सब पिसे हुओं के लिये धर्म और न्याय के काम करता है।
7 उसने मूसा को अपनी गति, और इस्राएलियों पर अपने काम प्रगट किए।
8 यहोवा दयालु और अनुग्रहकारी, विलम्ब से कोप करनेवाला और अति करुणामय है।
9 वह सर्वदा वादविवाद करता न रहेगा, न उसका क्रोध सदा के लिये भड़का रहेगा।
10 उसने हमारे पापों के अनुसार हम से व्यवहार नहीं किया, और न हमारे अधर्म के कामों के अनुसार हम को बदला दिया है।

याद रखने के लिए स्मरण रखें!!!

REMEMBER TO REMEMBER! *Sis. Jesy Veena Sam*

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में एको ऑफ़ हिज कॉल के हमारे सभी विस्तारित परिवार के सदस्यों को जो दूर और नजदीक है, अभिवादन।

हमारी मासिक पत्रिका के माध्यम से आप सभों के साथ संपर्क करना आनंद और विशेष अधिकार की हमेशा ही बात रही है। यदि यह मासिक आपके लिए आशीष का कारण बना है तो कृपया हमें लिखें।

आपके मूल्यवान सुझावों और राय के लिए हम हमेशा आपके आभारी रहेंगे।

आपको शिक्षक दिवस की बधाइयां।

उन लोगों को स्मरण करना जिन्होंने हमें सिखाया और हमारे जीवन को प्रभावित किया!

सभी शिक्षकों को जिन्होंने अपने जीवनों को अगली पीढ़ी के लोगों को प्रकाशमान बनाने हेतु अपने जीवनों को समर्पित किया है, शिक्षक दिवस की मुबारकबाद!

पृष्ठ 3 से क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल 5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब मसीही चैनल!

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलुगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे तमिल रविवार सुबह - सुबह 8:30 बजे

* Please Subscribe and Share *

ECHO OF HIS CALL - (Marching towards 60th year)

Estd. 1969

from your dearly beloved brother...

"उनके देश को ज्यों का त्यों कर दूँगा!" (2 इतिहास 7:14).

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Dr. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

EX MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A, M.Sc.(C&P), PGDHRM, MBA.

ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. J. John Rajarathnam, B.E.S., B.D., M.Th.
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Adv. N. Balaji, B.Com., M.L.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858

E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

मसीह में प्रिय मित्रों,

प्रभु में प्रियजनों, हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अतुलनीय नाम में आप सभी को अभिवादन! परमेश्वर की अपार कृपा से, हमारी सेवकाई ने 10 अगस्त को अपना 58वां वर्ष पूरा किया। 8, 9 और 10 अगस्त को हमारे चर्च में आयोजित विशेष आध्यात्मिक सभाओं पर प्रभु की अपार आशीषों के लिए हम उसकी स्तुति और धन्यवाद करते हैं। हम उन सभी के प्रति हार्दिक आभारी हैं जिन्होंने वर्षों से विश्वासपूर्वक हमारा साथ दिया है और इस सेवकाई में भागीदार रहे हैं। आपके प्रेम, प्रार्थनाओं और अटूट समर्थन के लिए प्रभु आप सभी को भरपूर आशीष दें।

5 जुलाई को, सिस्टर जे. विक्टोरिया, जो नेहेमिया बाइबल कॉलेज से पवित्र शास्त्र में डिप्लोमा प्राप्त कर चुकी हैं और अब चेन्नई के एनोर क्षेत्र में प्रभु की सेवा कर रही हैं, अपने बेटे जे. अंबुराज का दाखिला कराने के लिए कॉलेज आईं।

इस अनमोल मिलन ने हमारे हृदयों को कृतज्ञता, आनंद और नए प्रोत्साहन से भर दिया। एक पूर्व छात्रा को विश्वासयोग्यता के साथ प्रभु की सेवा करते हुए और अब अगली पीढ़ी को सेवकाई के लिए प्रशिक्षित करते हुए देखना, परमेश्वर की विश्वासयोग्यता का एक अद्भुत प्रमाण है। नीचे सिस्टर विक्टोरिया की गवाही का सारांश दिया गया है।

परमेश्वर के अनुग्रह से, मुझे २०११-२०१२ के शैक्षणिक वर्ष के दौरान एको ऑफ हिज कॉल मिनिस्ट्रीज़ के मार्गदर्शन में नहेमाया बाइबल कॉलेज में अध्ययन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। पहले दिन से ही, मैंने सीखा कि बाइबल सिर्फ़ पढ़ने के लिए एक किताब नहीं है, बल्कि यह परमेश्वर का जीवित वचन है जिसका प्रतिदिन पालन करना और उसके अनुसार जीना है। मुझे जो प्रशिक्षण मिला, उससे मुझे परमेश्वर की इच्छा समझने और उसकी आज्ञा का पालन करने में मदद मिली।

प्राध्याताओं द्वारा दी गई अच्छी बाइबल की शिक्षा और ईश्वरीय सिद्धांत मेरे आध्यात्मिक जीवन और सेवा के लिए एक मज़बूत नींव बन गए। मुझमें जो मूल्य डाले गए - प्रार्थना, अनुशासन, विनम्रता, ईमानदारी, समय की पाबंदी, और सेवा के लिए एक साफ़ नज़रिया - आज भी प्रभु की सेवा में मुझे दृढ़ करते हैं और मेरा मार्गदर्शन करते हैं।

मैं इस संस्था के द्वारा मेरे जीवन को आकार देने के लिए परमेश्वर का हृदय से धन्यवाद देती हूँ। मैं अध्यापकों और प्रशासन की बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मेरे पूरे प्रशिक्षण के दौरान मुझे प्यार

से सिखाया, मार्गदर्शन किया, हिम्मत दी और मेरे लिए प्रार्थना की। मेरी हृदय से प्रार्थना है कि एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाई और भी कई युवा पुरुषों और महिलाओं को परमेश्वर के राज्य के लिए तैयार करती रहे, उन्हें पृथ्वी का नमक और जगत की ज्योति बनने के लिए तैयार करे।'

बहन विक्टोरिया

हम अपने सभी पाठकों और एको ऑफ़ हिज़ कॉल परिवार के हर सदस्य को आपके लगातार प्यार, सच्ची प्रार्थनाओं और बडी सहायता के लिए हृदय से धन्यवाद देते हैं। आपकी साझेदारी हमें सुसमाचार का प्रचार करते रहने और विश्वासियों को परमेश्वर की सेवा के लिए तैयार करने में मदद करती है।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का भरपूर अनुग्रह, शांति और आशीष आप सभी पर बनी रहे।

आमीन!

मसीह यीशु में, आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज

Email: sam@echoofhiscall.org

पृष्ठ 1 से आगे...

उसने कुछ को प्रेरित नियुक्त करके, और कुछ को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कुछ को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कुछ को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया...

– इफिसियों 4:11

मैं सचमुच विश्वास करती हूं कि माता-पिता पहले शिक्षक हैं जिन्हें परमेश्वर ने हमें दिया है। वह हमें जीवन का पहला सबक सिखाते हैं और हमारे पहले कदमों को मार्गदर्शन करते हैं।

भारत में शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है जो भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म तिथि के रूप में भी मनाया जाता है। वह शिक्षकों का बहुत आदर करते थे और उन्होंने भविष्य की पीढ़ीयों के मनों को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचाना।

मैं सोचती हूं कि हम में से कितने लोग आज भी स्कूल के शिक्षकों, संडे स्कूल के शिक्षकों, बाइबल कॉलेज के प्राध्याताओं को याद करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि क्या हम अपने प्राथमिक शाला के शिक्षकों को याद करते हैं जिन्होंने हमें सिखाया कि कलम को कैसे पकड़ा जाता है, जिन्होंने हमें अपने पहले अक्षरों को लिखना सिखाया और पहले अंकों को गिनना सिखाया?

जैसे-जैसे समय बिता जाता है हम अक्सर उस कदम को भूल जाते हैं जिससे हम उस स्थान पर ऊपर चढ़े जहां पर आज हम हैं।

मेरी माता जयसिली सेल्वन ३२ वर्षों तक प्राथमिक शाला की शिक्षिका थी। उन्होंने हमारे क्षेत्र के आने वाली पीढियों के बच्चों को सभी विषय सिखाएं। वह हमारी सन्डे स्कूल शिक्षिका भी थीं जिन्होंने हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का हमसे परिचय कराया।

वह मात्र शिक्षाकर्मी नहीं थीं वह एक माध्यम थीं जिनके द्वारा कई बच्चों का प्रभु यीशु मसीह के साथ छोटी उम्र में परिचय हुआ, सांसारिक शिक्षा में और आत्मिक जीवन में भी।

वह हमारे एको ऑफ़ हिज कॉल मुख्य गिरजाघर की सबसे पहली सन्डे स्कूल शिक्षिका थीं जिनके माध्यम से हमारी वर्तमान कलीसिया के अगुवे और सहायक पासवान तैयार हुए हैं और उन्होंने आत्मिक रीति से पोषण पाया है। मैं उनके जीवन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देती हूं और कृतज्ञता के साथ हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह में उनके अटूट विश्वास को स्मरण करती हूं।

स्मरण करें!

बाइबल हमें बात बार-बार सिखाती है कि हम स्मरण करें। प्रभु को स्मरण करें जिसने हमारे लिए बड़े-बड़े काम किए हैं।

भूल जाना हमेशा ही स्मृति की साधारण कमजोरी नहीं होती। बाइबल इसे कहीं अधिक गंभीर समस्या के रूप में प्रस्तुत करती है।

अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावटें हो सकती हैं। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फ़ोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है!

हमारा पता :

ECHO OF HIS CALL,
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E.mail: sam@echoofhiscall.org

कृतज्ञता का भाव अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि शास्त्र में वर्णन किए गए सबसे शांत लेकिन सबसे खतरनाक पापों में से एक भूल जाने का पाप है।

हम अक्सर पाप को स्पष्ट रूप से प्रकट होने वाली चीज़ों के रूप में देखते हैं - जैसे विद्रोह, क्रोध, बेईमानी, अनैतिकता या अहंकार। लेकिन बाइबल हमें हृदय की एक अधिक सूक्ष्म अवस्था के बारे में भी चेतावनी देती है : परमेश्वर को भूल जाना और उसकी अच्छाई को भूल जाना।

परमेश्वर का वचन हमें चेतावनी देता है और याद दिलाता है

- व्यवस्थाविवरण 6:12 **तब सावधान रहना, कहीं ऐसा न हो कि तू यहोवा को भूल जाए.**
- व्यवस्थाविवरण 8:2 **और स्मरण रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा उन चालीस वर्षों में तुझे सारे जंगल के मार्ग में से ....ले आया है..**
- भजन 103:2 **हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह,और उसके किसी उपकार को न भूलना।**
- 1 इतिहास 16:12: **उसके किए हुए आश्चर्यकर्म, उसके चमत्कार और न्यायवचन स्मरण करो।**
- भजन 77:11—12: **मैं याह के बड़े कामों की चर्चा करूँगा; निश्चय मैं तेरे प्राचीनकालवाले अद्भुत कामों का स्मरण करूँगा। मैं तेरे सब कामों पर ध्यान करूँगा, और तेरे बड़े कामों को सोचूँगा।**

बाइबल में भूल जाना केवल स्मृति की कमजोरी नहीं है; यह कृतज्ञता की कमी भी हो सकती है।

यह तब होता है जब व्यक्ति आशीष का लाभ तो उठाता है, लेकिन आशीष के स्रोत को भूल जाता है। यह तब होता है जब किसी को दया तो मिलती है, लेकिन वह उस दया को स्वीकार नहीं करता। यह तब होता है जब लोग अपनी वर्तमान स्थिति का जश्न मनाते हैं, लेकिन उन लोगों के बलिदानों, प्रार्थनाओं और निष्ठा को भूल जाते हैं जिन्होंने उन्हें वहां तक पहुँचाने में मदद की। पूरी बाइबल में हमें ऐसे लोग मिलते हैं जिन्हें दूसरों की भलाई से आशीष प्राप्त हुई, फिर भी वे इसे भूल गए। उनकी कहानियाँ केवल उनकी आलोचना करने के लिए नहीं लिखी गई हैं; वे हमारे लिए चेतावनी के रूप में लिखी गई हैं।

हमें स्वयं से यह प्रश्न पूछना चाहिए : क्या हमने कभी परमेश्वर आशीष का आनंद लेते हुए उन लोगों को भुला दिया है जिनके द्वारा परमेश्वर ने हमें आशीष प्रदान की?

1. भुला दी गई कृपा : यूसुफ और फिरौन का प्यालेदार! उत्पत्ति 40–41!

यूसुफ की यात्रा तिरस्कार और निराशा से भरी थी। उसके अपने भाइयों ने उसे धोखा दिया, उसे गुलामी में बेच दिया और उसे उसके परिवार के सुख से अलग कर दिया। फिर भी मिस्र में भी परमेश्वर यूसुफ के साथ रहा। पोतिफर की पत्नी द्वारा झूठे आरोप लगाए जाने के बाद यूसुफ को जेल में डाल दिया गया। वहाँ भी परमेश्वर ने उस पर नोकिया और स्वप्न का अर्थ बताने की उसकी योग्यता का इस्तेमाल किया।

एक दिन, फिरोन के प्याला उठाने वाले और रसोईए को यूसुफ के साथ कैद डाल दिया गया। दोनों को स्वप्न देखकर बेचैनी हुई, और यूसुफ ने परमेश्वर द्वारा दी गई बुद्धि से स्वप्न का अर्थ बताया। अर्थ सच हुआ और प्यालेदार को फिरौन के महल में वापस ले लिया गया। जब प्यालेदार जाने की तैयारी कर रहा था, तो यूसुफ ने एक साधारण विनती की : जब तुम्हारा भला हो, तो मुझे याद रखना, और मुझ पर दया करना उत्पत्ति 40:14। यूसुफ ने किसी इनाम की माँग नहीं की। उसने बस इतना ही कहा कि उसे याद रखा जाए। लेकिन बाइबल एक दर्दनाक सच्चाई दर्ज करती है:

फिर भी पिलानेहारों के प्रधान ने यूसुफ को स्मरण न रखा; परन्तु उसे भूल गया। उत्पत्ति 40:23

प्यालेदार अपनी आरामगाह में लौट आया, जबकि यूसुफ बंदिगृह में ही रहा। जिस व्यक्ति को आशा मिली थी, वह उस व्यक्ति को भूल गया जिसके द्वारा परमेश्वर ने उसे आशा दी थी। कभी-कभी लोग अपनी आशीष में इतने मग्न हो जाते हैं कि वे अपने प्रति दिखाई गई दया को भूल जाते हैं। प्यालेदार अब बंदी गृह में नहीं था, और शायद उसके अतीत का दर्द जल्दी ही मिट गया। उसकी स्वतंत्रता उसके लिए यूसुफ के कष्टों से अधिक महत्वपूर्ण हो गई।

परन्तु मनुष्य की विस्मृति परमेश्वर की विश्वास योग्यता को कभी समाप्त नहीं करती।

दो और वर्षों तक यूसुफ मनुष्य द्वारा भुला दिया गया, परन्तु परमेश्वर ने उसे कभी नहीं भुलाया। आमीन!

नियत समय पर, परमेश्वर ने एक ऐसा द्वार खोला जिसे कोई मनुष्य बंद नहीं कर सकता था। यूसुफ एक ही दिन में कैद खाने से से महल में पहुँच गया।

प्रिय भाइयों और बहनों, यह कहानी हमें याद दिलाती है कि हमें अपने मूल्य का आकलन इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि लोग हमें याद रखते हैं या नहीं या हमारे कामों को पहचानते हैं। हमारा प्रतिफल केवल मनुष्य की पहचान से नहीं मिलता। परमेश्वर दया के प्रत्येक कार्य, प्रत्येक बलिदान और निष्ठा के प्रत्येक क्षण को देखता है।

हिम्मत रखें :

तुम्हारा पिता जो गुप्त में देखता है, वह तुम्हें खुलेआम प्रतिफल देगा। - मत्ती 6:6

लेकिन यह कहानी हमें चुनौती भी देती है :

- रास्ते में हमारी मदद करने वाले किन लोगों को हम भूल गए हैं?
- जब हम मुश्किल में थे, तब हमारे लिए किसने प्रार्थना की?
- जब हम हार मानने वाले थे, तब किसने हमारा हौसला बढ़ाया?

हम कभी ऐसे इंसान न बनें जो अपनी खुशियों को तो याद रखें, लेकिन उन लोगों को भूल जाएं जिन्होंने हमारे बोझ उठाने में मदद की।

2. भुला दिया गया पिता : योआश और यहोयादा! 2 इतिहास 24!

राजा योआश की कहानी भूली हुई निष्ठा के सबसे दुखद उदाहरणों में से एक है।

योआश मात्र सात वर्ष की आयु में यहूदा

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों 6:2), ❋ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ❋ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

19 सितम्बर 2026, से 18 अक्टूबर 2026 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 सितंबर : हमारे मिशन कार्यकर्ता पूरे समर्पण और विश्वासयोग्यता के साथ सेवा करते हैं।

20 सितंबर : हमारे प्रार्थना साथी, दानदाता, विश्वास साथी, जीवन साथी, महान मिशन साथी, अनुरोध साथी और उनके परिवारों पर परमेश्वर का अपार अनुग्रह हो।

21 सितंबर : हमारे मुख्य चर्च में शामिल होने वाले नए विश्वासियों को आशीष मिले।

22 सितंबर : हमारे मुख्य चर्च और शाखा चर्चों में रविवार की आराधना सभाओं के माध्यम से परमेश्वर के वचन की समर्थता के साथ लोगों की सेवा की गई।

23 सितंबर : हमारे गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस का निर्बाध संचालन और इसके कुशल कर्मचारियों की समर्पित सेवा के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।

24 सितंबर : हमारे एको ऑफ हिज कॉल यूट्यूब मीडिया मिनिस्ट्री के दो मिनट के प्रचार के माध्यम से लोगों के जीवन में आए बदलाव की गवाहियाँ।

25 सितंबर : सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेमाया बाइबल कॉलेज और हमारे बाइबल कोर पाठ्यक्रमों पर परमेश्वर की आशीष के लिए।

26 सितम्बर : हमारी सेवकाई ने समर्पित सहायक संपादकों की आशीष पाई है, जो एको ऑफ़ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका सेवकाई को पूरी विश्वासयोग्यता के साथ पूरी करते हैं।

27 सितंबर : हमारे वरिष्ठ सेवक और हमारी अलग-अलग सेवाओं के ज़रिए सुसमाचार का प्रचार करने के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए ।

28 सितंबर : हमारे वरिष्ठ सेवक, पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनका परिवार ईश्वरीय सुरक्षा, अच्छी सेहत और बल की आशीष मिली है।

29 सितंबर : परमेश्वर ने हमें नहेमाया बाइबल कॉलेज का ग्रेजुएशन समारोह शानदार और आशीषपूर्ण तरीकों से आयोजित करने की सामर्थ दी।

30 सितंबर : हमारी सेवकाई की गाड़ियों की सुरक्षा और हमारे वाचकों को सुरक्षित रखने के लिए।

01 अक्टूबर : हमारी अस्पताल सेवकाई के ज़रिए चमत्कार होते हैं।

02 अक्टूबर : हमारे मुख्य चर्च में महिला संगति को परमेश्वर ने आशीष दी।

03 अक्टूबर : युवाओं और बच्चों की देखभाल की सेवकाई के लिए हमारे विश्व दर्शन को आशीष मिली।

कृपया प्रार्थना करें

04 अक्टूबर : हमारे नहेमाया बाइबल कॉलेज के छात्रों के लिए ईश्वरीय सुरक्षा मिले।

05 अक्टूबर : सभी देशों पर ईश्वर की सुरक्षा बनी रहे, खासकर दुनिया भर में बढ़ते आक्रोश और युद्ध के डर के बीच। दुनिया भर में शांति, स्थिरता और सद्भाव के लिए प्रार्थना करें।

06 अक्टूबर : वैश्विक आर्थिक मंदी खत्म हो और जो लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, उन्हें राहत और उम्मीद मिले।

07 अक्टूबर : विश्वभर के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए ईश्वर का प्रावधान।

08 अक्टूबर : ईश्वर के अपार अनुग्रह से हमारी सेवकाई की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति।

09 अक्टूबर : शासन और विकास के हर पहलू में सभी राष्ट्रों के बीच एकता, शांति, ज्ञान और प्रगति।

10 अक्टूबर : हमारी सभी सेवकाईयों का निरंतर विकास और विस्तार, जिससे हम सुसमाचार के साथ और अधिक लोगों तक पहुँच सकें।

11 अक्टूबर : सभी देशों के लिए मजबूत सीमा सुरक्षा और न्यायपूर्ण, प्रभावी शासन।

12 अक्टूबर : सभी स्कूलों में बच्चों पर ईश्वर की ईश्वरीय सुरक्षा के लिए।

13 अक्टूबर : हमारे सह-संपादक और उनके परिवार के सदस्यों के लिए।

14 अक्टूबर : परमेश्वर हमें पृथ्वी पर उसके राज्य के निर्माण के लिए परिश्रम करते समय अधिक दूरदृष्टि, ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करें।

15 अक्टूबर : हमारे वरिष्ठ पादरी, पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार को हर बुरी शक्ति और खतरे से परमेश्वर की ईश्वरीय सुरक्षा, अच्छा स्वास्थ्य और बल प्राप्त हो।

16 अक्टूबर : दुनिया भर के कैदियों की मुक्ति के लिए।

17 अक्टूबर : हमारे देश के युवा लड़के-लड़कियाँ परमेश्वर के करीब और उसके वचन के अनुसार जीवन जिएं।

18 अक्टूबर : परमेश्वर ऐसे और भी प्रार्थना-योद्धा तैयार करे जो हर देश में आध्यात्मिक जागृति के लिए विश्वासयोग्यता के साथ प्रार्थना करेंगे।

पृष्ठ 4 से आगे...

का राजा बना। उसका जीवित रहना एक चमत्कार था। जब उसकी दादी अथलिया ने राजपरिवार को नष्ट करने का प्रयास किया, तो योआश को बचा लिया गया और मंदिर में छिपा दिया गया। जिस व्यक्ति ने उसकी रक्षा की, वह याजक यहोयादा था। यहोयादा ने योआश का जीवन बचाने से कहीं बढ़कर कार्य किया। उसने उसका मार्गदर्शन किया, उसे परमेश्वर के मार्ग सिखाए और यहूदा में सच्ची उपासना को पुनर्स्थापित करने में सहायता की। यहोयादा के नेतृत्व में, योआश ने प्रभु की दृष्टि में उचित कार्य किया। कई वर्षों तक, योआश ने परमेश्वर के इस निष्ठावान सेवक के ज्ञान और आध्यात्मिक मार्गदर्शन से लाभ उठाया। लेकिन यहोयादा की मृत्यु के बाद, सब कुछ बदल गया।

योआश ने अधर्मी सलाहकारों की बात सुनी और प्रभु से विमुख हो गया। उसने उस परमेश्वर को त्याग दिया जिसका अनुसरण करना यहोयादा ने उसे सिखाया था। बाइबल कहती है:

राजा योआश यहोयादा की कृपा को भूल गया (2 इतिहास 24:22)।

- जिस व्यक्ति ने उसकी जान बचाई, उसे भुला दिया गया।
- जिस गुरु ने उसका मार्गदर्शन किया, उसे भुला दिया गया।
- जिस आत्मिक पिता ने उस पर भरोसा किया, उसे भुला दिया गया।

यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है।

बहुत से लोग आज जिस मुकाम पर हैं, वहाँ इसलिए हैं क्योंकि किसी ने उन पर भरोसा किया है।

किसी माता-पिता ने प्रार्थना की।
किसी पादरी ने शिक्षा दी।
किसी मित्र ने प्रोत्साहन दिया।
किसी गुरु ने त्याग किया।

लेकिन सफलता आत्मिक विस्मृति का कारण बन सकती है। जब लोग प्रभावशाली पद पर पहुँच जाते हैं, तो वे उन लोगों को भूल जाते हैं जिन्होंने उन्हें आगे बढ़ने में मदद की।

हमें याद रखना चाहिए कि कोई भी अकेला नहीं बढ़ता।

एक कृतज्ञ विश्वासी उन लोगों का सम्मान करता है जिन्हें परमेश्वर ने उसकी यात्रा में इस्तेमाल किया है।.

3. भूली हुई वफ़ादारी : नाबाल और दाऊद! 1 शमूएल 25!

नाबाल एक धनी व्यक्ति था जिसके पास हज़ारों भेड़ें और बकरियाँ थीं। वह समृद्ध, संसाधन संपन्न और सुरक्षित था।

लेकिन उसकी सफलता के पीछे एक अदृश्य आशीष थी : सुरक्षा।

जब दाऊद और उसके साथी जंगल में थे, तब उन्होंने नाबाल के चरवाहों और भेड़ों की रक्षा की। वे उसकी संपत्ति के चारों ओर सुरक्षा की दीवार की तरह थे। उन्होंने नाबाल का फायदा नहीं उठाया और न ही उससे कुछ चुराया।

जब भेड़ों की ऊन काटने का त्योहार आया, तो दाऊद ने अपने सेवकों को भोजन सामग्री का अनुरोध करने के लिए भेजा।

कृतज्ञता दिखाने के बजाय, नाबाल ने अहंकार दिखाया। उसने दाऊद की पहचान पर सवाल उठाया और दाऊद और उसके साथियों द्वारा की गई सेवा को नकार दिया।

नाबाल ने सुरक्षा का आनंद तो लिया, लेकिन रक्षक को भूल गया।

उसे दाऊद की वफादारी का लाभ मिला, लेकिन उसने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। यह एक आम मानवीय स्वभाव है। हम अक्सर लोगों की उन कमियों पर ध्यान देते हैं जो वे नहीं कर पाते, जबकि उनके द्वारा किए गए कार्यों को अनदेखा कर देते हैं। हम किसी की दयालुता से परिचित हो जाते हैं और उससे यही अपेक्षा करने लगते हैं। जो बात कभी हमें आश्चर्यचकित करती थी, वह अब सामान्य हो जाती है।
परिवार इसका अनुभव कर सकते हैं।
कलीसियाएं इसका अनुभव कर सकती हैं।
मित्रता इसका अनुभव कर सकती हैं।

- पति अपनी पत्नी के त्याग को भूल सकता है, और पत्नी अपने पति के त्याग को भूल सकती है।
- बच्चे अपने माता-पिता के त्याग को भूल सकते हैं।
- विश्वासी उन लोगों की प्रार्थनाओं और प्रोत्साहन को भूल सकते हैं जो उनके साथ खड़े थे।

कृतज्ञता के लिए यत्नपूर्वक याद रखने की आवश्यकता है। परमेश्वर हमें उन लोगों को याद रखने में सहायता करे जिन्होंने हमें वह बनने में मदद की जो हम आज हैं और

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Chepauk, Santhoshapuram & Velachery Chennai.
Rush for Admission!
Medium : Tamil (Part Time)
Hindi (Part Time)
Qualification : 10th Standard & above
Diploma in Theology & Bachelor of Theology
Contact :
The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 57 years

जहाँ हम हैं वहाँ तक पहुँचने में हमारी सहायता की।

4.भूली हुई स्वतंत्रता : गिदोन और इस्राएल! न्यायियों 8!

गिदोन की कहानी की शुरुआत डर से हुई। वह छिपा हुआ था जब परमेश्वर ने उसे बुलाया। वह स्वयं को कमजोर और तुच्छ समझता था, परन्तु परमेश्वर ने उसे एक शूरवीर सुरमा के रूप में देखा।

उसको यहोवा के दूत ने दर्शन देकर कहा, "हे शूरवीर सूरमा, यहोवा तेरे संग है।" न्यायियों 6:12

गिदोन की आज्ञाकारिता के द्वारा परमेश्वर ने इस्राएल को मिद्यानियों से छुड़ाया। मात्र ३०० सैनिकों के साथ, गिदोन ने बाइबल में दर्ज सबसे बड़ी विजयों में से एक प्राप्त की।

परमेश्वर के द्वारा गिदोन के माध्यम से कार्य करने के कारण राष्ट्र में शांति बनी रही।

लेकिन गिदोन की मृत्यु के बाद, इस्राएल जल्दी ही यह बात भूल गया।

बाइबल कहती है:

और इस्राएलियों ने अपने परमेश्वर यहोवा को, जिसने उनको चारों ओर के सब शत्रुओं के हाथ से छुड़ाया था, स्मरण न रखा ... न्यायियों 8:34

उन्होंने गिदोन के परिवार के प्रति दया भी नहीं दिखाई। लोगों को विजय तो याद रही, लेकिन गिदोन के द्वारा परमेश्वर द्वारा दिए गए छुटकारे को वे भूल गए।

यह हम सबके लिए एक खतरा है।

हम परिणाम का जश्न मना सकते हैं, लेकिन यात्रा को भूल सकते हैं। हम प्रार्थनाओं के उत्तर का आनंद ले सकते हैं, लेकिन उसे भूल सकते हैं जिसने हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया।

इस्राइल की सबसे बड़ी समस्या यह नहीं थी कि उनके पास आशीष की कमी थी। उनकी समस्या यह थी कि वे उन आशीष के स्रोत को भूल गए थे।

हर आशीष हमें परमेश्वर के करीब ले जाना चाहिए, न कि उनसे दूर।

दुख की बात यह है कि, यह वर्तमान संसार की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हम परमेश्वर से आशीष मांगते हैं, लेकिन कभी-कभी जो आशीष हमें प्राप्त होती हैं, वे हमें उसके करीब लाने के बजाय उससे दूर ले जाने लगती हैं।

5. भुला दिया गया चंगाई देने वाला : दस कुष्ठ रोगी और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह! लूका 17!

भूल जाने का शायद सबसे सशक्त चित्रण दस कुष्ठ रोगियों की कहानी में मिलता है। कुष्ठ रोग एक विनाशकारी बीमारी थी। इससे पीड़ित लोग समाज से अलग-थलग पड़ जाते थे, सामान्य जीवन जीने में असमर्थ होते थे और अक्सर उन्हें बहिष्कृत माना जाता था। दस कुष्ठ रोगियों ने यीशु को देखा और पुकार कर कहा :

"हे यीशु, हे स्वामी, हम पर दया कर!" - लूका 17:13

यीशु मसीह ने दया दिखाई और उन सभी को चंगा किया।

* दस लोगों का जीवन बदल गया। दस लोगों को दूसरा मौका मिला।
* दस लोगों ने परमेश्वर की सामर्थ्य का अनुभव किया।
* परन्तु केवल एक ही लौटा।

यीशु मसीह ने पूछा :

"क्या दसों शुद्ध न हुए, तो फिर वे नौ कहाँ हैं?" - लूका 17:17

उन नौ लोगों को चमत्कार तो मिला, पर वे चमत्कार करने वाले को भूल गए।

उन्हें चंगाई तो मिल गई, पर वे धन्यवाद और आराधना के साथ नहीं लौटे। उनकी सबसे बड़ी हानि शारीरिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक थी। उन्होंने यीशु मसीह के कार्यों को पहचानने और उनका सम्मान करने का अवसर खो दिया।

हम कितनी बार ऐसा ही करते हैं?

जब हमें मदद की ज़रूरत होती है, तो हम पुकारते हैं। जब हम कठिनाइयों का सामना करते हैं, तो हम परमेश्वर की शरण लेते हैं। हम भरण-पोषण, चंगाई, मार्गदर्शन और सफलता के लिए प्रार्थना करते हैं।

लेकिन जब उत्तर मिलता है, तो क्या हम धन्यवाद के साथ लौटते हैं?

परमेश्वर को हमारे धन्यवाद की आवश्यकता नहीं है; परन्तु हमें धन्यवाद की आवश्यकता है, क्योंकि यह हमारे हृदयों को उससे जोड़े रखती है और हमें हर आशीष के स्रोत की याद दिलाती है।

पृष्ठ 9 में क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल का इतिहास!

...उसने बिखेरा, उसने कंगालों को दान दिया, उसका धर्म सदा बना रहेगा। अतः जो बोनेवाले को बीज और भोजन के लिये रोटी देता है, वह तुम्हें बीज देगा, और उसे फलवन्त करेगा; और तुम्हारे धर्म के फलों को बढ़ाएगा। – २ कुरिन्थियों ९:६, १०.

लगभग अट्ठाईस साल पहले, मैंने कई गरीब बच्चों को उस गाँव में बिना किसी मकसद के घूमते देखा जहाँ अब हमारा सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल है। इनमें से ज़्यादातर बच्चे बहुत ज़्यादा गरीबी की वजह से स्कूल नहीं जा पाते थे।

उस दौरान, हमने अपने बाइबल कॉरेस्पोंडेंस कोर्स, न्यू लाइफ फॉर यू, के पाठों का इस्तेमाल करके इंग्लिश और तमिल दोनों में BIBLECOR – शॉर्ट-टर्म बाइबल कॉरेस्पोंडेंस सर्टिफिकेट कोर्स ग्रुप बाइबल स्टडीज़ की। हर समूह में लगभग सौ ज़रूरतमंद बच्चे थे, और अलग-अलग जगहों पर ऐसे कई समूह थे। उनकी हाजिरी को बढ़ावा देने के लिए, हमने उन्हें नाश्ता दिया। धीरे-धीरे, बच्चों ने आसान अंग्रेज़ी शब्द और

मसीही गीत सीखना शुरू कर दिया। जब वे घर पर ये गाने गाते थे, तो उनके माता-पिता को बहुत खुशी होती थी।

उस समय, प्रभु ने मेरे दिल पर बोझ डाला कि मैं इन गरीब बच्चों के लिए उस गाँव में एक इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलूँ।

क्योंकि परमेश्वर ही है जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है। – फिलिप्पियों २:१३.

प्रभु ने मेरे एक प्यारे दोस्त, मिस्टर सैम डैनियल के ज़रिए इस सपने को दृढ़ किया, और इस तरह सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल शुरू हुआ।

शुरुआती साल कई मुश्किलों से भरे थे। मुझे लगभग अकेले ही बहुत ज़्यादा पैसे की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हालाँकि कई माता-पिता ने खुशी-खुशी अपने बच्चों का एडमिशन हमारे स्कूल में करा दिया, लेकिन अध्यापकों की महीने का मासिक वेतन देना लगातार मुश्किल बन गया।

हालाँकि, जब भी मैंने उन गरीब बच्चों के मुस्कुराते हुए चेहरों को इंग्लिश में मेरा स्वागत करते और खुशी से इंग्लिश भजन गाते देखा, तो मुझे हर मुश्किल के बावजूद सेवा जारी रखने की नई ताकत और पक्का इरादा मिला।

मैंने और मेरी पत्नी ने अपने व्यक्तिगत खर्चे जितना हो सके कम कर दिए ताकि हम अपने शिक्षा सहायता कार्यक्रम के ज़रिए ज़रूरतमंद बच्चों की पढ़ाई को स्पॉन्सर कर सकें। जबकि दो उदार भाइयों ने स्कूल की बिल्डिंग बनाने में मदद की, स्कूल के रोज़ाना के काम में मदद करने के लिए कोई आगे नहीं आया। नतीजतन, कई मौकों पर, हमें शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन देने के लिए अपना निजी सामान और यहाँ तक कि अपने आभूषण भी बेचने पड़े।

कुछ साल पहले, मुझे एक दोस्त से मिलने का मौका मिला जो हॉस्पिटल में भर्ती था। हालाँकि, मैं निर्धारित विज़िटिंग आवर्स के बाद पहुँचा, इसलिए मैं हॉस्पिटल से थोड़ा हिचकिचाते हुए गुज़रा।

जब मैं कॉरिडोर से गुज़र रहा था, तो कई डॉक्टर, मुख्य डॉक्टर के साथ, उल्टी दिशा से आ रहे थे। बिना पता चले, मैंने खुद को इंटेंसिव केयर यूनिट (आय सी यू) के पास सीधे उनके रास्ते में खड़ा पाया। शर्मिंदा और अजीब महसूस करते हुए, मैं जल्दी से एक कोने में हट गया और बोलने लगा, "मुझे माफ़ कर दो।"

मुझे बहुत हैरानी हुई, जब एक डॉक्टर तेज़ी से मेरी ओर आया, मेरे सामने घुटनों के बल बैठा, मेरे पैर पकड़े, और रोने लगा। उसने कहा, "सर, मैं एक अनपढ़ और गरीब परिवार से हूँ। मुझे अपनी पढ़ाई में

बहुत मुश्किल हुई। फिर भी आपने मुझे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल में दाखिला दिलाया। आपने मुझे विनामूल्य पढ़ाई, यूनिफॉर्म, खाना और

हर ज़रूरी मदद दी। मैंने कोई स्कूल फीस नहीं दी, लेकिन आपकी मेहरबानी से मैं अपनी शिक्षा पूरी कर पाया। बाद में, मैंने मेडिकल की पढ़ाई की और आज, परमेश्वर की कृपा से, मैं एक मेडिकल डॉक्टर हूँ। स्कूल के दिनों में मुझे जो आत्मिक बुनियाद मिली, वह मेरी ज़िंदगी को मार्गदर्शन करती है, और अब मैं अपने साथी डॉक्टरों के साथ सुसमाचार सुनाता हूँ।" वहाँ मौजूद सभी लोग बहुत भावुक हो गए। हम हैरान खड़े थे, यह देखकर कि परमेश्वर ने उस जवान व्यक्ति के जीवन में कितना अद्भुत काम किया था। डॉक्टरों मेरे साथ बहुत आदर से पेश आया, लेकिन सारी महिमा सिर्फ़ परमेश्वर की थी। हमारे स्कूल से ऐसे और भी कई सबूत हैं। यह सिर्फ़ परमेश्वर पर अटूट विश्वास की वजह से ही हुआ है कि हम इस सेवकाई को जारी रख पाए हैं। आज, सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल में 500 से ज़्यादा छात्र पढ़ रहे हैं। उस क्षेत्र के सभी स्कूलों में से, हमारे स्कूल को बेस्ट स्कूल अवॉर्ड के लिए चुना गया था, जिसे 24 दिसंबर 2008 को पूर्व शिक्षा मंत्री ने पूर्व खाद्य मंत्री की मौजूदगी में दिया था।

हमारी प्रार्थना है कि परमेश्वर इस सेवकाई के ज़रिए और भी कई लोगों की ज़िंदगी बदलते रहें, बच्चों को गरीबी और निराशा की गहराइयों से निकालकर उम्मीद, मकसद और आशीष की ज़िंदगी दे।

'क्योंकि मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाने को दिया; मैं प्यासा था, और तुमने मुझे पानी पिलाया; मैं परदेशी था, और तुम ने मुझे अपने घर में ठहराया; मैं नंगा था, और तुमने मुझे कपड़े पहिनाए;

मैं बीमार था, और तुमने मेरी सुधि ली, मैं बन्दीगृह में था, और तुम मुझसे मिलने आए।' "तब धर्मी उसको उत्तर देंगे, 'हे प्रभु, हम ने कब तुझे भूखा देखा और खिलाया? या प्यासा देखा और पानी पिलाया? हमने कब तुझे परदेशी देखा और अपने घर में ठहराया? या नंगा देखा और कपड़े पहिनाए?

हमने कब तुझे बीमार या बन्दीगृह में देखा और तुझसे मिलने आए?" तब राजा उन्हें उत्तर देगा, 'मैं तुम से सच कहता हूँ कि तुमने जो मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से किसी एक के साथ किया, वह मेरे ही साथ किया।" - मत्ती 25:35–40

पृष्ठ 7 से आगे...

एक स्मरणशील हृदय!

बाइबल बार-बार परमेश्वर के लोगों को याद करने के लिए कहती है :

- उसकी विश्वासयोग्यता को स्मरण करें।
- उसकी प्रतिज्ञाओं को स्मरण करें।
- उसकी भलाई को याद करें।
- उन लोगों को याद रखें जिन्हें परमेश्वर ने हमारे जीवन में भेजा है।
- सबसे बढ़कर, उस प्रभु को याद रखें जिसने हमें आशीष दी है और हमें संभाला है।

भूल जाना अहंकार की ओर ले जाता है; याद रखना आराधना की ओर ले जाता है। प्यालेदार यूसुफ की दयालुता को भूल गया। योआश यहोयादा के मार्गदर्शन को भूल गया। नाबाल दाऊद की रक्षा को भूल गया। इस्राएल गिदोन के उद्धार को भूल गया। नौ कोढ़ी यीशु मसीह की दया को भूल गए। आइए हम उनकी गलतियों से सीखें। आइए हम स्मरणशील लोग बनें। उस माता-पिता को याद करो जिन्होंने तुम्हारे लिए त्याग किया। उस शिक्षक को याद करो जिसने तुम्हें प्रोत्साहित किया। उस मित्र को याद करो जो तुम्हारे साथ खड़ा रहा। उस परमेश्वर के सेवक को याद करो जिसने तुम्हारे लिए प्रार्थना की।

और सबसे बढ़कर, हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह को याद रखें - जिसने हमारे पापी होने के बावजूद हमारे लिए अपना प्राण दे दिया; जिसने हमसे निःस्वार्थ प्रेम किया; जो आपके और मेरे लिए मरा और फिर जी उठा; और जो हमें अपने साथ अनन्त जीवन में ले जाने के लिए फिर से आ रहा है। सबसे बड़ा खतरा केवल लोगों को भूल जाना नहीं है। सबसे बड़ा खतरा परमेश्वर को भूल जाना है। हमारा जीवन हमेशा धन्यवाद से परिपूर्ण हृदयों से भरा रहे, जो परमेश्वर द्वारा दिए गए हर अच्छे वरदानों और हर उस विश्वासयोग्य हाथ को पहचानते हों, जिसका उपयोग उसने हमारे जीवन पथ पर किया है। आइए हम उस परमेश्वर को कभी न भूलें, जिससे हर आशीष प्राप्त होती है।

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह,और उसके किसी उपकार को न भूलना। - भजन संहिता 103:2

****

सूचना

आपको व्यक्तिगत मोबाइल फोन में मेरे मोबाइल क्रमांक (+91) 98410 71858, (+91)98412 71858 सेव करें।

- मुख्य सम्पादक

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : S. Sam Selva Raj
A/C No. : 1023 2934 679
IFSC : SBIN 00 00 249
SWIFT CODE : SBI NIN BB 455

2. Bank : ICICI Bank

Branch : Anna Salai, Chennai-6
Name : Echo of His Call
A/C No. : 6038 0502 2319
IFSC : ICIC 000 6038

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : Echo of His Call Educational Trust
A/C No. : 1023 2923 805
IFSC : SBIN 00 00 249

OUR QR CODE:

ECHO OF HIS CALL

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्क: रु. १००/- आजीवन शुल्क: रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th SEPTEMBER 2026
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**